RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ARJUN BATCH

CLASS 10th | GEOGRAPHY

वन एवं वन्य जीव संसाधन

Forest and Wildlife Resources



अध्याय-2 | भाग-5

एकदम BASIC से!

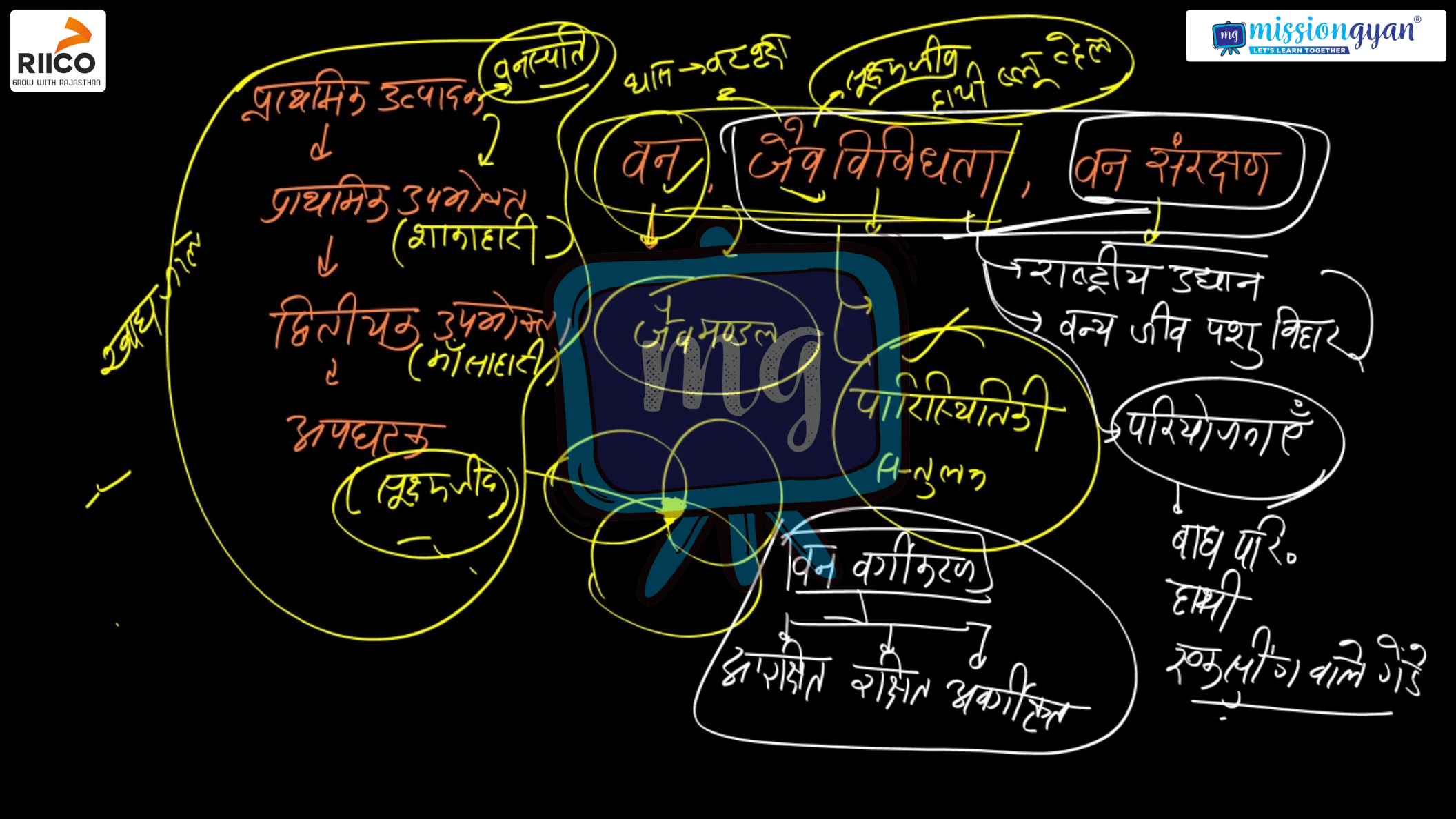
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढेंगे ?

1 अभ्यास प्रश्न




RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
वन
जैव विविधता
वन संरक्षण
प्राथमिक उत्पादक
वनस्पति
प्राथमिक उपभोक्ता
(शाकाहारी)
द्वितीयक उपभोक्ता
(माँसाहारी)
अपघटक
(बूझफफूंदि)
खाद्य शृंखला
जैव मण्डल
पारिस्थितिकी तन्त्र
राष्ट्रीय उद्यान
वन्य जीव पशु विहार
परियोजनाएँ
बाघ परि.
हाथी
रुकुलीग वाले गैंडे
वन वर्गीकरण
आरक्षित
रक्षित
अवर्गीकृत

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

केन्द्र सरकार

राष्ट्रीय उद्यान →

पशु विहार →

राज्य सरकार

1. बहुवैकल्पिक प्रश्न

(i) इनमें से कौन-सा संरक्षण तरीका समुदायों की सीधी भागीदारी नहीं करता?

उत्तराखण्ड

हिमालयी क्षेत्र

(क) संयुक्त वन प्रबंधन → सरकार + समुदाय

(ख) बीज बचाओ आंदोलन → समुदाय द्वारा

(ग) चिपको आंदोलन

(घ) वन्य जीव पशुविहार (Sanctuary) का परिसीमन → सरकार

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

स्थाई वन → म०प्र० → 75%

1–B
2– C
3-A

2. निम्नलिखित का मेल करें।

1. आरक्षित वन	(A) सरकार, व्यक्तियों के निजी और समुदायों के अधीन अन्य वन और बंजर भूमि
2. रक्षित वन	(B) वन और वन्य जीव संसाधन संरक्षण की दृष्टि से सर्वाधिक मूल्यवान वन
3. अवर्गीकृत वन	(C) वन भूमि जो और अधिक क्षरण से बचाई जाती है

पूर्वोत्तर के राज्य व गुजरात

mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में दीजिए।

(i) जैव विविधता क्या है? यह मानव जीवन के लिए क्यों महत्त्वपूर्ण है ?

जीव जन्तुओं, वनस्पतियों तथा इनकी प्रजातियों व उपजातियों की संख्या में विविधता

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर : किसी भी क्षेत्र में पाए जाने वाले जंतुओं और पादपों की विविधता को उस क्षेत्र की जैव विविधता कहते हैं।

जैव विविधता किसी भी पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने के लिए बहुत आवश्यक होती है। स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र के अभाव में मानव जीवन खतरे में पड़ सकता है। इसलिए जैव विविधता मानव जीवन के लिए भी महत्वपूर्ण है।

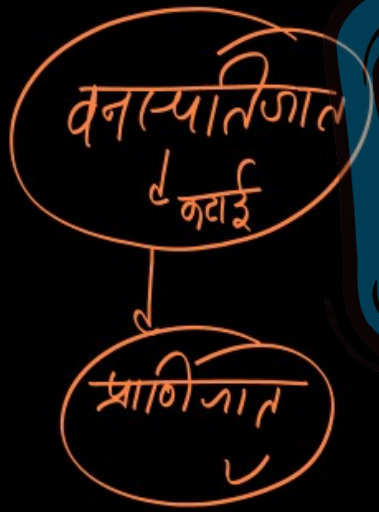
(ii) विस्तारपूर्वक बताएँ कि मानव क्रियाएँ किस प्रकार प्राकृतिक वनस्पतिजात और प्राणिजात के ह्रास के कारक हैं?

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर :

(क) मनुष्य ने अपने आवास, कृषि के विस्तार तथा उद्योगों की स्थापना के लिए वनों का विनाश किया है। फलस्वरूप कई वन्य प्राणियों के आश्रय स्थल (आवास) नष्ट हो गये हैं और वे विलुप्त हो गए हैं या विलुप्त होते जा रहे हैं।



(ख) मनुष्य द्वारा कृषि के विशिष्टीकरण का भी पादपों तथा वन्य प्राणियों पर बुरा प्रभाव पड़ा है। मनुष्य अपने लाभ को ध्यान में रखकर एक विशेष प्रकार की फसल अथवा पेड़-पौधे उगाने पर बल देने लगा है। इससे अन्य पेड-पौधों की अवहेलना हुई है जिससे उनकी प्रजातियाँ समाप्त होती जा रही हैं।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 120 शब्दों में दीजिए।

(i) भारत में विभिन्न समुदायों ने किस प्रकार वनों और वन्य जीव संरक्षण और रक्षण में योगदान किया है? विस्तारपूर्वक विवेचना करें।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर : भारत के कुछ स्थानीय समुदायों का वनों से गहरा नाता है। ये उनका आवास भी हैं और आजीविका का साधन भी हैं।

अतः वे अपने आवास तथा आजीविका की रक्षा के लिए वनों के लिए कडा संघर्ष कर रहे हैं। इस संबंध में कुछ उदाहरण नीचे दिए गए हैं—

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

वन्य जीव (रक्षण) अधि० 1972

अलवर

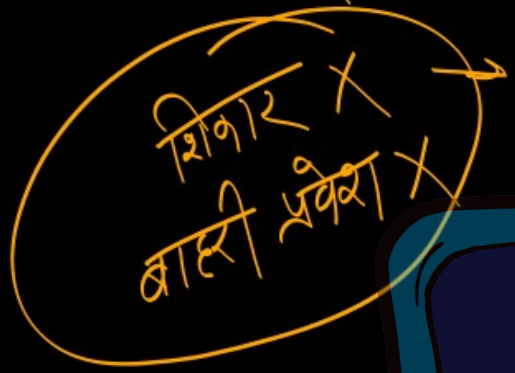
(क) राजस्थान के सरिस्का टाइगर रिजर्व में गाँव के लोगों ने खनन के खिलाफ लड़ाई लड़ी है।

(ख) कई प्रदेशों में ग्रामीण समुदाय स्वयं वनों के संरक्षण में जुटे हुए हैं। इस कार्य में उन्होंने सरकार का सहयोग लेने से भी इंकार कर दिया है। उदाहरण के लिए राजस्थान के अलवर जिले के पाँच गाँवों के ग्रामीणों ने 1200 हेक्टेयर वन क्षेत्र को 'भैरोदेव दाकव सौंचरी' (घोषित किया हुआ है।

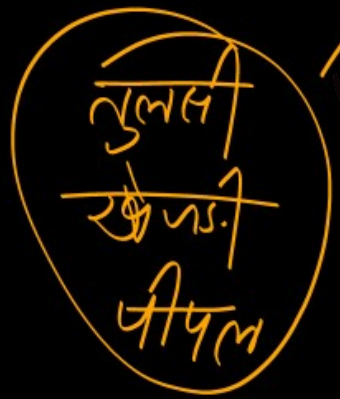
(पशु विहार / अभयारण्य)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



संरक्षण के लिए उन्होंने अपने-अपने नियम बनाये हुए हैं। इनके अनुसार शिकार करने पर तथा वन जीवन को किसी प्रकार की अन्य क्षति पहुँचाने पर रोक है।



(ग) कई समुदाय कुछ विशेष वृक्षों अथवा वनों को पवित्र मानकर उनकी पूजा करते हैं। इन समुदायों का भी वनों के संरक्षण में महत्त्वपूर्ण योगदान है।

(ii) वन और वन्य जीव संरक्षण में सहयोगी रीति-रिवाजों पर एक निबन्ध लिखिए।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

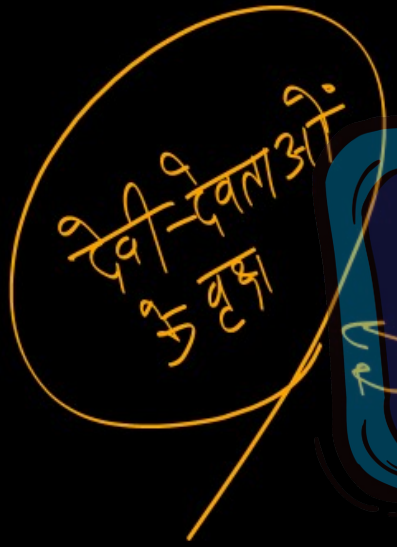
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर : भारत में वन और वन्य जीव संरक्षण में रीति रिवाजों का बड़ा सहयोग रहा है।

कई धर्मो और आदिवासी समुदायों में प्रकृति की पूजा की पुरानी परंपरा रही है। हमारे यहाँ कई रस्मों में पीपल और आम के पेड़ की पूजा की जाती है। इससे पता चलता है कि लोग सदा से वृक्षों को पवित्र मानते रहे हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



प्राचीन काल से ही लोग हमारे जीवन के लिये पेड़ों के महत्व को समझते थे।

आदिवासी लोग तो जंगलों में पवित्र पेड़ों के झुरमुट को मानव गतिविधियों से अनछुआ रखते हैं। गाँवों में अभी भी त्योहारों के अवसर पर पशुओं की पूजा की जाती है। ऐसी परंपरा पशुओं के महत्व को मानने और समझने को दिखाती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

One Shot

राजस्थान का बिश्नोई समाज काले हिरण के संरक्षण के लिये किसी भी हद तक जा सकता है। शायद यही कारण है कि आज भी दूर दराज के गाँवों के स्थानीय लोगों द्वारा (खासकर जो वनों के निकट हैं) वनों को भी संरक्षण मिलता है। इससे वन विभाग का काम भी आसान हो जाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अरब सागर

जलीय सीमा वाले के॰शा॰प्र॰

① दमन-दीव और दादर- नागर हवेली

② लक्षद्वीप (द्वीप समूह)

③ पुदुचेरी

④ अण्डमान निकोबार द्वीप समूह

बंगाल खाड़ी

